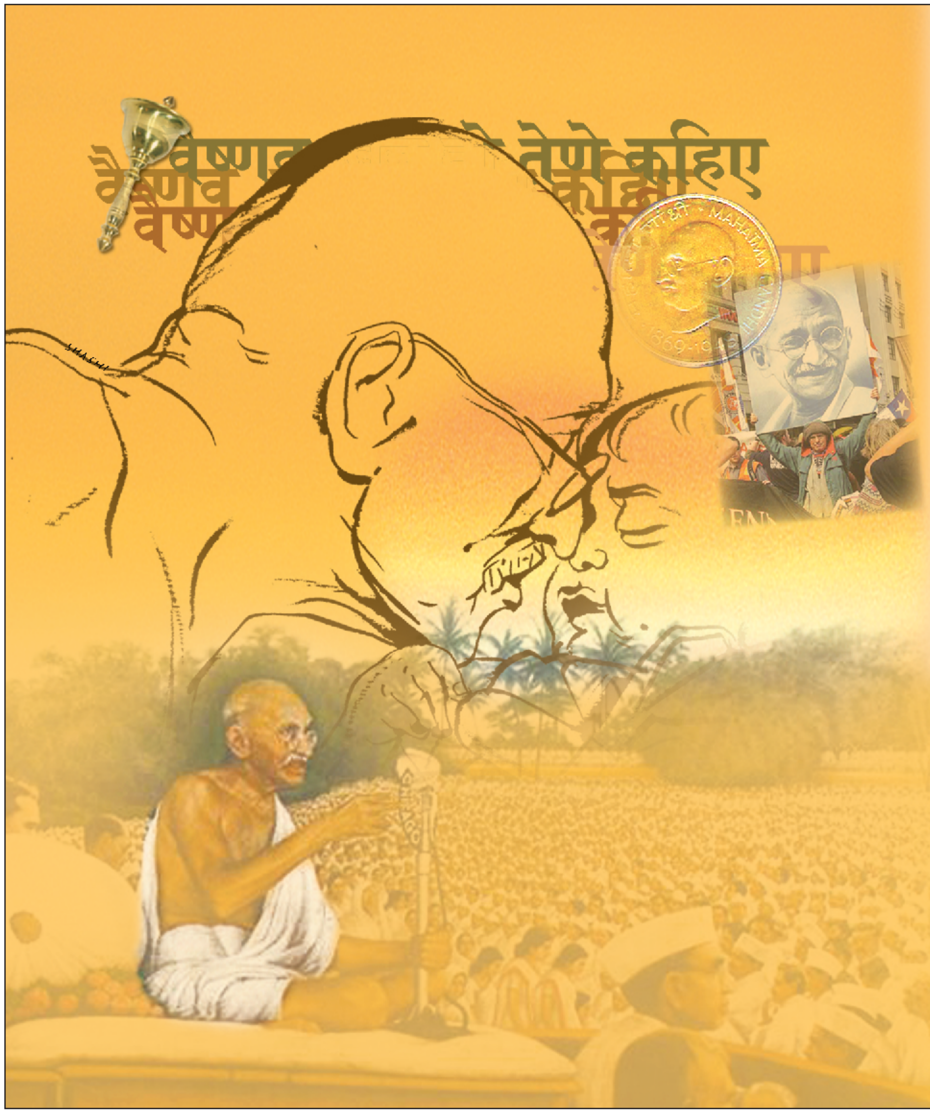

JUNE 2010

MON		07	14	21	28
TUE	01	08	15	22	29
WED	02	09	16	23	30
THU	03	10	17	24	
FRI	04	11	18	25	
SAT	05	12	19	26	
SUN	06	13	20	27	

HelpAge India | Fighting isolation, poverty, neglect

जो मेरे साकार रूप का श्रद्धापूर्वक मनन करते हैं, उसमें लीन होते हैं, वे श्रद्धालु मेरे भक्त हैं, पर जो निराकार तत्त्व को भजते हैं और उसे भजने के लिए समस्त इंद्रियों का संयम करते हैं, सब जीवों के प्रति समभाव रखते हैं, उनकी सेवा करते हैं, किसी को ऊँच–नीच नहीं गिनते, वे भी मुझे पाते हैं।

गीता बोध – महात्मा गांधी

Those who worship my manifested form, I regard as my devotees and the ones, who worship my un-manifested form with their senses under control, engaged in the welfare of humanity become ONE with ME.

Gita Bodh - Mahatma Gandhi